Publication: Rajasthan Patrika **Date: 02nd October, 2016**

Edition: Delhi

महिलाएं इस तरह करें फाइनेंशियल प्लानिंग

सोनिया नोटानी
इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस कंपनी

महिलाओं को एक साथ कई तरह की जिम्मेदारियां उठानी पड़ती हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर वे अपने फाइनेंशियल भविष्य के प्रति क्यों नहीं सोचतीं?

छह साल में 20 फीसदी बढ़ी महिलाओं की आय

भारत में 2008 और 2014 के बीच ग्रेजुएट महिलाओं की संख्या बढ़कर दोगुनी हो गई। इस दौरान महिलाओं की आय में भी 20 फीसदी से अधिक का इजाफा हुआ। महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक हैसियत में इन सुधारों की वजह से कामकाजी महिलाओं की संख्या में इजाफा हुआ, जिससे ग्रोथ संबंधी उनकी संभावनाओं का भी विस्तार हुआ। यहां अच्छी बात यह भी है कि उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति में यह बेहतरी सिर्फ समाज के ऊपर के तबके तक ही सीमित नहीं है।

एसेट्स बढ़ने के बाद की प्लानिंग

महिलाओं की बढ़ती वित्तीय स्थिरता और करियर संबंधी संभावनाओं से उनके पास एसेट्स का संग्रह भी होने लगा है। ऐसे में फाइनेंशियल प्लानिंग का पहला कदम उनका उचित आकलन और फिर उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करना है। महिलाओं को पर्याप्त जीवन बीमा कवर और हेल्थ इंश्योरेंस लेने की जरूरत है, ताकि वे आपात स्थितियों से खुद व परिवार की हिफाजत कर सकें।

शॉर्ट टर्म की योजना

महिलाओं को अपने योगदान में भी यकीन होना चाहिए। उन्हें शॉर्ट टर्म कैश फ्लो जैसे स्कूल फीस, मीडियम टर्म जरूरतों जैसे कार खरीदना और दीर्घकालीन लक्ष्यों जैसे, बच्चों की शिक्षा, रिटायरमेंट, लोन रि-पेमेंट आदि की योजना बनानी चाहिए।

भविष्य का ध्यान

महिलाओं को अब आगे आकर बड़ा सोचने की भी जरूरत है। उन्हें अपनी वर्तमान जरूरतों पर भी पूरा फोकस करना चाहिए। साथ में दीर्घकालीन हैसियत का भी ख्याल रखना चाहिए। वास्तव में आर्थिक स्वतंत्रता सशक्ति और स्वतंत्रता का सर्वश्रेष्ठ रूप है।

A Joint Venture of
Bank of Baroda Legal & General Andhra Bank